We have with us this morning, seated in the Sepcial Box, members of a Parliamentary Delegation from the Republic of Korea which is currently on a visit to our country under the distinguished leadership of His Ex. cellency Mr. Jyun Kyu Park^ Speaker of the National Assembly of the Republic of Korea.

On behalf of the Members of the House and on my *own* behalf I take pleasure in extending a very hearty welcome to the Leader and other members of the delegation and wish our distiguished guests a very enjoyable and fruitful stay in our country. We hope that during their stay here they would be able to see and learn more about our parliamentary system, our country and our people and their visit to this country will further strengthen the friendly bonds that exist between us. Through them we convey our greetings and best wishes to the members of the National Assembly and the friendly people of the Republic of Korea.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS — ***Contd***

. Chemicals develop- by ONGC

*142. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) whether ONGC has recently developed technology at one of its R&D Institutes in respect of certain chemicals which are being imported at present;

(b) if so, what are the details thereof and whether Government propose to involve private enterpreneurs in this regard indicating status of such projects;

(c) what is the annual requirement for such chemicals developed by the R&D Institute and also demand tor FCLS and resinex for the current year indicating the cost involved; and

(d) what, is the likely saving of foreign exchange with the availability of indige hously developed chemicals?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA): (a) Yes, Sir.

(b) KDMIPE, ONGC has developed in collaboration with IIT Delhi the following two chemicals:

(1) Hydroxy Propyl Guargum (Hp Guargum)

(2) Hydroxy Ethyl Cellulose (HEC)

It is proposed to involve private entrepreneurs in commercial development of the above chemicals. In respect of Hydroxy Propyl Guargum (HP guarum), efforts are being made to contact interested private entrepreneurs for developing commercial utilisation of the product. As regards Hydroxy Ethyl Cellulose (HEC), ONGC has already entered into a contract with two private entrepre neurs for transfer to knowhow and commercialisation of the product.

(c) The annual requirement in respect of the above two viscosifiers in various production operations would be around 150—200 tons, depending on frequency of operation. The demand for FCLS and resinex for the current year is approximately 4, 000 MT and 1300 MT respectively, valued at Rs. 3. 8 crores and Rs. 2. 34 crores respectively.

(d) The likely savings of foreign exchange as a result of development of hydroxy propyl guargum and hydroxy ethyl cellulose would be around Rs. 1 crore annually. It is estimated that this along with the availability of chemicals developed indigenously earlier would account for an annual savings in terms of foreign exchange of approximately Rs. 60 crores.

श्री रामदास अग्रवाल : सभापति महोदय मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उसमें यह कहा है कि केमिकल्स के दो आइटम्स हैं, एच पी गौरगम और एच० ई० सी० जिनके बारे में अनुसंधान करके

भारतीय तकनीक का विकास किया है, लेकिन मैं मंत्री महोदय का ध्यान एक समाचार पत्र की ओर आकर्षित करना चाहूंगा जिसमें 10 नम्बर को यह प्रकाशित किया गया था कि लगभग 10 ऐसे आइटम्स हैं जो इम्पोर्ट किये जाते हैं । ओ०एन०जी०सी० द्वारा आर एंड डी के माध्यम से कुछ ऐसे रसायन विकसित किये गये है जिनका इम्पोर्ट बंद हो सकता है । लेकिन मंत्री महोदय ने केवल दो रसायनों का नाम लिया है जब कि उसमें 10 रसायन हैं । तो मैं यह जानना चाहता हूं कि वास्तविकता क्या यही है कि केवल दो रसायनों पर हमने अभी तक अनुसंधान किया है और हमारा आर एंड डी केवल दो रसायन ऐसे उपलब्ध करा सका जो इंडियन तकनीकी से विकसित हुए हैं । बाकी जो नाम हैं उसमें फैरोक्रोमो, लिगो सल्फेट, फिल्ट्रेशन लास कंट्रोलिंग एजेंट, लो टेम्परेचर रेटाल्डर आयल बेस मड फ्लेे ई०पी० लुब्रीकेंट्स, स्वलिंग ट्रांसड्यूसर एंड थ्रैड डाप कंपाउंड्स ये कैमिकल्स हैं जो आर ड डी ने विकसित किये हैं या नहीं इसके संबंध में मंत्री महोदय ने कोई उत्तर नहीं दिया है । दूसरी बात यह है कि, केवल दो कंट्रैक्ट किये गये हैं, प्राइवेट इंटरप्रोनर्स के साथ जब कि समाचार पत्रों में यह कहा गया है कि 10 इंटरप्रोनर्स के साथ ओ०एन०जी०सी० ने कंट्रैक्ट किया है, जिसमें उन्होंने प्राइवेट इंटरप्रोनर्स को रायल्टी के आधार पर यह तकनीकी ज्ञान दिया है जिससे वे उद्योग लगा सकें । मैं यह भी जानना चाहूंगा कि वास्तव में 10 कंट्रैक्ट हुए हैं या दो कंट्रैक्ट हुए हैं ? मंत्री महोदया से मैं यह भी जानना चाहता हूं कि पिछले जो कंट्रैक्ट किये गये थे, मैंने इस प्रश्न के माध्यम से यह भी जानना चाहा था कि जो कंटैक्ट किये जाते हैं उन पर कमी किस प्रकार से समय समय पर क्या रिव्यू किया जाता है कि उनका परफारमेंस क्या है ? क्या किस प्रकार से इसकी जांच की जाती है ? किस तरह से संतोष होता है कि जो कंट्रैक्ट किये गये है और जो कैमिकल्स इंपोर्ट किये जा रहे हैं तो जो सप्लायर है वह वास्तव में सप्लाई करता हैया नहीं करता है, यह भी मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, जहां तक पहला प्रश्न है जो समाचार पत्रों में छपा है पूर्णरूप से सत्य नहीं है । इसके लिये माननीय सदस्य से मैं अनुरोध करूंगा कि वे इस समाचार पत्र को हमारे पास भिजवा दें मैं उसके दिए वाकर उनको पूरा उत्तर दे दूंगा ।

दूसरा हाइड्रोकसी प्रापाइल और हाइड्रोकसी इथाइल इसके सिलसिले में मुझे यह कहना है कि केवल ये ही दो ऐसे रसायन हैं जिनको विकसित किया गया है ।

श्री रामदास अग्रवाल : सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि कुछ ऐसी फर्म्स हैं जिन्होंने कंट्रैक्ट किया है लेकिन सप्लाई नहीं की है । तो उनके बारे में क्या सरकार कोई ऐसा विचार नहीं कर रही है कि जो सप्लाई नहीं करते हैं और जिनका कंट्रैक्ट वर्षों से बराबर चला आ रहा है उनके विरूद्ध कार्यवाही करें ? क्योंकि जो रिपोर्ट मिली है, जो आयल इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड ने निकाली है, उसके अध्ययन से पता चलता है कि कई ऐसी फर्मों से कंट्रैक्ट किये गये हैं जिन्होंने सप्लाई नाम नाम मात्र की भी नहीं की है । तो मैं जानना चाहता हूं कि मंत्री जी कृपा करके यह बतायें कि उन फर्मों के विरूद्ध, जो सप्लाई नहीं कर पाते हैं और ठेका ले लेते हैं, वे क्या कार्यवाही करने की सोच रहे है ?

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : इकरारनामा हर कंपनी के साथ होता है और यदि वे इकरारनामे की पूर्ति नहीं करते हैं तो निश्चितरूप से उसको हम रिव्यू करते हैं और रिव्यू करने के बाद आवश्यक कार्यवाही करते हैं ।

Measures to Combat AIDS

•143. PROF. SOURENDRA BHATTACHARJEE:
SHRI PRAMOD MAHAJAN: !

Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be. pleased to state.

tThe question was actually asked on | the floor of the House by Pramod Mlahajjan.